आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 17.05.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी विभागों के सचिवों को यात्रा व्यवस्थाओं की निगरानी करने के निर्देश दिए।
- मुख्यमंत्री ने कहा – गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान बनाया जाएगा।
- चमोली के जिलाधिकारी ने गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब तक यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।
- मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले तीन दिनों में राज्य के मैदानी क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी की चेतावनी जारी की।

निगरानी निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी विभागों के सचिवों को लगातार यात्रा व्यवस्थाओं की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। श्री धामी ने आज सचिवालय में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की और तीर्थयात्रा से जुड़े जिलों के जिलाधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थयात्रा से जुड़े सभी अधिकारी, संबंधित जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों का यात्रा व्यवस्था बनाने में पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यात्रा व्यवस्थाओं में शिथिलता बर्दाश्त नही की जाएगी। इसके बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में श्री धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा में सभी व्यवस्थांए धीरे–धीरे सामान्य स्थिति में आ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने परिवहन सचिव को यात्रा मार्ग पर चलने वाले वाहनों की फिटनेस का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिना फिटनेस के यात्रा मार्ग पर वाहन चलने पर सबंधित परिवहन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाय। मुख्यमंत्री ने पंजीकरण के अनुसार ही श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा पर भेजने और ऑफलाईन पंजीकरण को फिलहाल स्थगित रखने के निर्देश दिए हैं।

यात्रा व्यवस्था निरीक्षण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग पर स्थित दोबाटा और पालीघाट में यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि शुरूआती दिनों में पिछले वर्ष की अपेक्षा दोगुनी संख्या में तीर्थयात्री गंगोत्री और यमुनोत्री धाम पहुंचे हैं। इसके चलते यात्रियों को कहीं–कहीं रोकना पड़ा है। पत्रकारों के साथ बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में दर्शन और व्यवस्थाओं को आसान बनाने के लिए मास्टर प्लान बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रा में यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए हरिद्वार और देहरादून से यात्रियों को ट्रैफिक दबाव की स्थिति को देखकर ही पवित्र धामों के दर्शन के लिए रवाना किया जाएगा।

यातायात दबाव प्रबंधन–केदारनाथ

इधर, केदारनाथ यात्रा में अत्यधिक संख्या में श्रद्धालु और यात्री वाहन आ रहे हैं। कपाट खुलने से लेकर अब तक एक लाख 83 हजार से अधिक श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं। साथ ही बड़ी संख्या में केदारनाथ धाम सहित, पैदल मार्ग में भी श्रद्धालु मौजूद हैं। गौरतलब है कि केदारनाथ धाम सहित यात्रा पड़ावों पर रुकने की एक निश्चित क्षमता है। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित पार्किंगों की भी एक निश्चित क्षमता है। सीतापुर व सोनप्रयाग स्थित पार्किंगों में कोई वाहन आने के बाद तीन दिन तक पार्किंग में ही रहता है। पार्किंग की एक निश्चित क्षमता होने और इससे निकासी काफी कम होने तथा बाहर से अत्यधिक संख्या में वाहनों के आने से यात्रा मार्ग पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा है। वाहनों के दबाव को कम करने के लिए बद्रीनाथ धाम की तरफ जा रहे वाहनों को मुख्य बाजार रुद्रप्रयाग होते हुए जाने दिया जा रहा है और केदारनाथ धाम की ओर जाने वाले वाहनों में निर्धारित तिथि का पंजीकरण होने पर ही वाहनों को आगे भेजा जा रहा है।

प्लास्टिक मुक्त केदारनाथ

केदारनाथ धाम को प्लास्टिक मुक्त बनाने की मुहीम के तहत रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने निजी संस्था के सहयोग से इस बार यात्रा मार्ग पर दो प्लास्टिक वेंडिंग मशीन लगाई हैं। एक मशीन गौरीकुंड और दूसरी मशीन केदारनाथ धाम परिसर में लगाई गई है। इन मशीन में यात्री अपनी क्यूआर कोड वाली बोतल जमा करके दस रुपये रिफंड प्राप्त कर सकते हैं।

पैदल यात्रा मार्ग निरीक्षण

चमोली के जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब तक यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को हेमकुंड साहिब की यात्रा को सुगम और सुखद बनाने के लिए यात्रा शुरू होने से पहले पैदल मार्ग पर सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब और लक्ष्मण लोकपाल मंदिर के कपाट 25 मई से श्रद्धालुओं के लिए खुल रहे हैं। हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा के आसपास अभी भी करीब 8 फीट बर्फ है और लक्ष्मण मंदिर व हेमकुंड सरोवर बर्फ से ढके हुए हैं। हालांकि सेना के जवानों ने हेमकुंड साहिब मार्ग पर बर्फ हटाकर आवाजाही सुचारू कर दी है।

फर्जी पंजीकरण

इस बीच, चारधाम यात्रा में कल फर्जी रजिस्ट्रेशन का मामला भी सामने आया है। उत्तरकाशी जिले के पुलिस अधीक्ष अर्पण यदुवंशी ने बताया कि गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित हीना रजिस्ट्रेशन सेन्टर में चैकिंग के दौरान दो यात्री बसों की रजिस्ट्रेशन की तिथि फर्जी पायी गयी।

मौसम

राज्य के मैदानी क्षेत्रों में आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून ने अगले तीन दिनों में राजधानी देहरादून सहित हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, पौड़ी, चंपावत और नैनीताल के मैदानी क्षेत्रों में दोपहर के समय अत्यधिक गर्मी होने की चेतावनी जारी की है। विभाग ने अत्यधिक गर्मी के मद्देनजर लोगों को दोपहर के समय घर पर ही रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर और देहरादून के पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं–कहीं गरज़ के साथ बारिश का पूर्वानुमान भी जारी किया है। इस बीच, पिछले चौबीस घण्टों में राज्य में सबसे अधिक तापमान रूड़की में चालीस डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कृषक वैज्ञानिक संवाद

ऊधमसिंह नगर के जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने गर्मियों के मौसम में गन्ना, मक्का और दलहन जैसी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। जल संरक्षण व ग्रीष्मकालीन धान के क्षेत्रफल को कम करने और वैकल्पिक रूप से अन्य फसलों को बढ़ावा को लेकर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने यह बात कही। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से आये वैज्ञानिकों ने गर्मी के धान के विकल्प के रूप में दलहनी व तिलहनी फसलों की खेती के साथ ही गन्ने की खेती और अन्य फसलों को बढावा देने के सम्बन्ध चर्चा की। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के निदेशक शोध, डॉ अजीत कुमार नैन ने कहा कि गर्मी वाले धान की खेती के विकल्प के रूप में मक्का की खेती काफी फायदेमंद है।